5-9-2019

# 'शिक्षा का उद्देश्य मात्र रोजगार प्राप्त करना नहीं'

## डीएवीवी ओरिएंटेशन प्रोग्राम : 3 हजार नवप्रवेशित हुए शामिल

पत्रिका रिपोर्टर

इंदौर विश्वविद्यालय अध्ययनशालाओं में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए बुधवार को ओरिएंटेशन प्रोग्राम दो सत्रों में आयोजित किया गया। प्रथम सत्र प्रातः 10:30 से 11:30 बजे तक स्नातक वर्ग के विद्यार्थियों के लिए एवं द्वितीय सत्र दोपहर 12:30 से स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया। इन दो सत्रों में करीब 3000 नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. रेणु जैन ने कहा, आप अपने जीवन में एक लक्ष्य का निर्धारण करें और उसके अनुसार कार्य करें। उन्होंने कहा, शिक्षा का उद्देश्य मात्र रोजगार प्राप्त करना नहीं है, अपितु शिक्षा चरित्र निर्माण के लिए अति आवश्यक है।

प्रोग्राम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. एलके त्रिपाठी ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत किया। खेल निदेशालय के उपनिदेशक डॉ. सुनील दुबाले ने विद्यार्थियों को खेल संबंधी सुविधाओं एवं स्पर्धाओं के बारे में जानकारी दी। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. प्रकाश गढ़वाल ने एनएसएस की गतिविधियों की जानकारी दी। कुलसचिव डॉ. अनिल शर्मा ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें संबोधित किया। द्वितीय सत्र की मुख्य अतिथि, एसएसपी रुचिवर्धन मिश्र ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला।

# बीमारी से छूट गए थे टॉपिक्स, टीचर के कठिन परिश्रम ने दिलाई स्टेट रैंक 23

**प्रोफेसर रेणु जैन**
**कुलपति, डीएवीवी यूनिवर्सिटी**

ये साल 1970 की बात होगी। उस समय मैं 10वीं कक्षा में पढ़ती थी। उस साल मुझे टाइफाइड हो गया था। इस वजह से कई दिनों तक स्कूल नहीं जा पाई थी। कई सारे टॉपिक्स छूट गए थे। ये 40 साल पुरानी बात है और उस समय ट्यूशन या कोचिंग की कोई सुविधा हमें नहीं मिलती थी। उस वक्त हमारे स्कूल में मुखर्जी मैडम पढ़ाया करती थी। उन्होंने मेरी समस्या को समझा और जितना भी मेरा सिलेबस छूटा था उसे लंच में पढ़ाया। उन्हीं की मेहनत के कारण मैंने 10वीं बोर्ड में म.प्र. में 23वां स्थान हासिल किया था। उस वक्त टॉप-25 में आने वाले बच्चों को एमएससी तक के लिए स्कॉलरशिप मिलती थी। मुझे वह स्कॉलरशिप मुखर्जी मैडम की मेहनत के कारण मिली। यही कारण है कि मैंने अपने पूरी टीचिंग कैरियर में बच्चों की समस्याओं को सर्वोपरि रखा और हर समय उनकी मदद के लिए तैयार रहती हूं।